

# INHALT

|  |           |
|--|-----------|
| <b>Vorwort .....</b>                                   | <b>13</b> |
| Midas' Versuchung .....                                | 13        |
| <br>   |           |
| <b>Einleitung .....</b>                                | <b>15</b> |
| Alles Gold der Welt .....                              | 15        |
| Der schwindende Zauber .....                           | 17        |
| Supernova-Ökonomie.....                                | 19        |
| <br>   |           |
| <b>TEIL I</b>  |           |
| <b>HEUTE - PAPIERGELD-DÄMMERUNG .....</b>              | <b>23</b> |
| Verwöhnte Spekulanten .....                            | 23        |
| Herrschaft der Schulden .....                          | 25        |
| Dauernotstand .....                                    | 30        |
| Zeit, über Gold zu reden .....                         | 33        |
| Leiser Räuber Inflation .....                          | 34        |
| Risiko Gemeinschaft .....                              | 37        |
| Zinsraub .....   | 39        |
| Weltkrieg der Währungen.....                           | 41        |
| Der Flug des Papiergelds .....                         | 45        |
| Die Geldmacher .....                                   | 52        |
| Politische Moneten .....                               | 57        |
| <br>   |           |
| <b>TEIL II</b>   |           |
| <b>GESTERN - GLANZ UND ELEND DES GOLDSTANDARDS ...</b> | <b>61</b> |
| Das Vermächtnis des Münzmeisters .....                 | 61        |
| Die Fourty-Niners .....                                | 78        |
| Im Fegefeuer der Relationen .....                      | 81        |
| Wie Gold die Globalisierung schuf.....                 | 85        |
| Albtraum der Ungleichgewichte .....                    | 98        |
| Die Währung als nationales Machtmittel .....           | 101       |
| Notenbanken im Sturm.....                              | 114       |
| Niedergang und Neubeginn .....                         | 120       |

## **TEIL III**

|  |            |
|--|------------|
| <b>MORGEN – FRIEDLICHE KOEXISTENZ .....</b>              | <b>143</b> |
| Die Rede des Präsidenten: eine realistische Fiktion..... | 144        |
| Was es kostet.....                                       | 148        |
| Deflationsangst.....                                     | 149        |
| Gaias Großzügigkeit .....                                | 153        |
| Reiche und Arme .....                                    | 159        |
| Peak, der Gipfel der Prognosen .....                     | 165        |
| Back to Dilemma .....                                    | 171        |
| Täuschender Atem.....                                    | 175        |
| Bitcoin, Anarchowährung aus dem Internet.....            | 179        |
| Die alten Fehler vermeiden.....                          | 183        |
| Parallelwährung, jetzt!.....                             | 185        |
| Eine mögliche Keimzelle .....                            | 190        |
| Goldmark, ein Stück bürgerliche Selbstbehauptung .....   | 193        |
| Stabiles Geld, stabiles Europa .....                     | 194        |
| <br>   |            |
| <b>Epilog .....</b>                                      | <b>197</b> |
| Greenspan trifft Greenspan .....                         | 197        |
| <br>   |            |
| <b>Chronologie .....</b>                                 | <b>201</b> |
| <br>   |            |
| <b>Danksagung .....</b>                                  | <b>207</b> |
| <br>   |            |
| <b>Anhang .....</b>                                      | <b>211</b> |
| <br>   |            |
| <b>Literatur/Bibliografie .....</b>                      | <b>213</b> |
| Bücher .....   | 213        |
| Aufsätze, Vorträge, Studien .....                        | 218        |
| Zeitungsaufgaben und Links .....                         | 220        |
| <br>   |            |
| <b>Stichwortverzeichnis .....</b>                        | <b>225</b> |